No. of Printed Pages : 6

EHI–05

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME

(BDP)

Term-End Examination

June, 2024

Elective Course : History

EHI-05 : INDIA FROM MID-18TH TO MID-19TH CENTURY

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *This question paper has three Sections. The students have to attempt any* ***two*** *questions in about* ***500*** *words each from Section I, any* ***four*** *questions in about* ***250*** *words each from Section II and any* ***two*** *short notes in about* ***100*** *words each from Section III. The marks are mentioned against each question.*

P. T. O.

Section—I

1. Why did the Awadh rulers fail to maintain their sovereignty ? What was the significance of the Treaty of 1801 ? 20

2. What do you understand by de-industrialization ? Explain the impact of European trade on Indian Industries. 20

3. Describe the major issues taken up by the reformers in 19th century India. 20

4. Discuss the nature and significance of the Revolt of 1857. 20

Section—II

5. Analyse the role of Wood's Despatch with regard to the promotion of education in colonial India. 12

6. Describe the process of the emergence of the Sikh state in the 18th century. 12

7. Analyse the impact of the Western Knowledge on the Indian mind during the 19th century. 12

8. Were the Burma wars able to fulfill the British objectives ? Comment. 12

9. Describe the various forms of social discriminations in Colonial India. 12

10. Write a note on the Ryotwari settlement. 12

11. Discuss the nature of the Government of India Act of 1858. 12

12. Discuss the impact of commerialisation of agriculture on Indian economy and society. 12

Section—III

13. Write short notes on any **two** of the following in about **100** words each : 6+6

    (a) Third Carnatic War

    (b) Orientalism

    (c) The Diaries of Ananda Ranga Pillai

    (d) Beginning of Novel in India

EHI–05

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (बी.डी.पी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2024

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : इतिहास

ई.एच.आई.-05 : 18वीं शताब्दी के मध्य से 19वीं शताब्दी के मध्य तक का भारत

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *इस प्रश्न-पत्र में* ***तीन*** *खण्ड हैं। विद्यार्थियों को खण्ड I में से कोई* **दो** *प्रश्न लगभग* ***500*** *शब्दों (प्रत्येक) में, खण्ड II में से कोई* **चार** *प्रश्न लगभग* ***250*** *शब्दों (प्रत्येक) में तथा खण्ड III में से कोई* **दो** *संक्षिप्त टिप्पणियाँ लगभग* ***100*** *शब्दों (प्रत्येक) में करने हैं। प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने अंकित हैं।*

खण्ड—I

1. अवध राज्य के शासक अपनी प्रभुसत्ता बनाये रखने में क्यों असफल रहे ? 1801 की संधि का क्या महत्व था ? 20

2. अनौद्योगीकरण से आप क्या समझते हैं ? भारतीय उद्योगों पर यूरोपोय व्यापार का क्या प्रभाव पड़ा ? 20

3. 19वीं शताब्दी के भारत में सुधारकों द्वारा उठाए गए प्रमुख मुद्दों का वर्णन कीजिए 20

4. 1857 के विद्रोह की प्रकृति और महत्व की विवेचना कीजिए। 20

खण्ड—II

5. औपनिवशिक भारत में शिक्षा की उन्नति करने में वुड्स प्रपत्र (वुड्स डिस्पैच) की भूमिका का विश्लेषण कीजिए। 12

6. 18वीं शताब्दी में सिख राज्य के उदय की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए। 12

7. 19वीं शताब्दी में भारतीय मस्तिष्क पर पश्चिमी ज्ञान के प्रभाव का विश्लेषण कीजिए। 12

8. क्या बर्मा युद्ध ब्रिटिश उद्देश्यों को पूरा करने में सफल हुए थे ? इस पर टिप्पणी कीजिए। 12

9. औपनिवेशिक भारत में विभिन्न प्रकार के सामाजिक विभेदों का वर्णन कीजिए। 12

10. रैयतवाड़ी भूमि-व्यवस्था पर एक टिप्पणी लिखिए। 12

11. 1858 के भारत सरकार अधिनियम की प्रकृति की विवेचना कीजिए। 12

12. भारतीय अर्थव्यवस्था और समाज पर कृषि के वाणिज्योकरण के प्रभाव की चर्चा कीजिए। 12

खण्ड—III

13. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर लगभग **100** शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : प्रत्येक 6

(क) तीसरा कर्नाटिक युद्ध

(ख) प्राच्यवाद

(ग) आनन्द रंगा पिल्ले की डायरी

(घ) भारत में उपन्यास का आरम्भ